जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 16 संख्याः 194 प्रभात चूरू, सोमवार 11 नवम्बर, 2024 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने दौसा विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी जगमोहन मीणा के समर्थन में रोड शो किया।

उपचुनाव : भाजपा फायदे में रहेगी, कांग्रेस निर्दलीयों में फंसी

चार सीटों के त्रिकोणीय संघर्ष से कांग्रेस झटका खाती नजर आ रही है

जयपुर 10 नवंबर। राजस्थान में सात विधानसभा सीटों पर होने जा रहे उपचुनाव में आज प्रचार का शोर थम जाएगा, लेकिन प्रचार समाप्त होने से पहले सातों विधानसभा सीटों पर क्या समीकरण बन रहे हैं, इसकी हल्की झलक देखने को मिल रही है। यदि अंतिम समय में बहुत कुछ नहीं बदला, तो परिणाम भी इसके इर्द-गिर्द ही रहने वाले हैं। ऐसे में एक बात तो बिल्कुल तय है कि सात विधानसभा सीटों में भाजपा फायदे में रहने वाली है और कांग्रेस को नुकसान होना बिल्कुल तय है, क्योंकि चार सीटों पर त्रिकोणीय संघर्ष ने कांग्रेस के लिए नुकसान का सौदा तय कर दिया है। दो सीटों पर जहां निर्दलीयों ने कांग्रेस को बड़ा नुकसान कर दिया है, वहीं, दो सीटों पर कांग्रेस मुकाबले में बने रहने के लिए संघर्ष करती नजर आ रही है।

- देवली-उनियारा में निर्दलीय नरेश मीणा के रोड शो ने सबको अचम्भित कर दिया।
- दौसा में जबदस्त जातिगत लामबंदी है। झुंझुनूं में गुढ़ा को मिलने वाले मुस्लिम व अनुसूचित जाति के वोट, निर्णय को प्रभावित करेंगे।
- खींवसर में हनुमान बेनीवाल व आर.एल.पी. भारी परेशानी में। रामगढ़ में सीधा संघर्ष। चौरासी, में बी.बी.ए.सी. भारी लगती है, सलुम्बर में सहानुभूति का लाभ मिलेगा भाजपा को।

इस समय राजस्थान में सभी नजरें देवली - उनियारा और दौसा सीटों पर टिकी हुई हैं। इन दोनों सीटों पर सबसे दिलचस्प मुकाबले हो रहे हैं। देवली - उनियारा में शुरुआती तौर पर निर्दलीय नरेश मीणा को कांग्रेस ज्यादा भाव नहीं दे रही थी, लेकिन मीणा समर्थकों की युवा टीम ने जबरदस्त चुनाव प्रबंधन किया और चुनाव प्रचार समाप्त होने के एक दिन पहले बड़ा रोड शो किया। देवली - उनियारा की जनता के लिए अपने आप में यह पहला अनुभव था कि क्या कोई निर्दलीय इस तरह से चुनाव को बेहद रोचक बना देता है। यहां मुख्य मुकाबला नरेश मीणा और भाजपा के राजेंद्र गुर्जर में होगा या कांग्रेस के के.सी. मीणा और भाजपा में होगा, यह मीणा मतदाता तय करेंगे। मीणा मतदाता ज्यादा संख्या में जिसके साथ जाएंगे, वही मुख्य मुकाबले में रहेगा। जिस तरह का माहौल नरेश मीणा के लिए देखा जा रहा है, अगर वह वोटों में तब्दील हुआ, तो कांग्रेस बड़ी परेशानी का सामना कर सकती है। यहां कांग्रेस के लिए सचिन पायलट, गोविंद सिंह डोटासरा और अशोक गहलोत सहित कई नेता प्रचार कर चुके हैं। वहीं, भाजपा के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के अलावा मंत्री कन्हैयालाल चौधरी, हीरालाल नागर प्रचार में पूरी ताकत लगा चुके हैं।

दौसा की बात करें, तो यहां सीधा-सीधा मुकाबला वैसे तो कांग्रेस के डी.डी. बैरवा और भाजपा के जगमोहन मीणा के बीच है, लेकिन चुनाव में सचिन पायलट और डॉ. किरोड़ी लाल मीणा की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। यही कारण है कि किरोड़ी लाल मीणा एक एक मतदाता तक स्वयं पहुंच रहे हैं। सचिन पायलट ने भी यहां दो बार में 18 जनसभाएं और नुक्कड़ सभाएं की हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने यहां रोड शो किया है। यहां जातिगत लामबंदी जबरदस्त देखी जा रही है और माना जा रहा है कि सामान्य वर्ग जिस के साथ में जाएगा, वही पार्टी जीत दर्ज करेगी।

झुंझुनू विधानसभा सीट उपचुनाव में राजेंद्र गुढ़ा ने दोनों पार्टियों के समीकरण बिगाड़ दिए हैं। राजेंद्र गुढ़ा राजपूत वोट अपने साथ ले जाकर भाजपा के राजेंद्र भामू के लिए परेशानी खड़ी कर रहे हैं, वहीं, मुस्लिम और अनुसूचित जाति के वोटों में गहरी पैठ बनाकर गुढ़ा ने कांग्रेस के अमित ओला के लिए बड़ी परेशानी खड़ी कर दी है। यदि भीड़ के अनुरूप मुस्लिम युवाओं का वोट राजेंद्र गुढ़ा के पक्ष में गया, तो यहां इतिहास बदलना तय है।

खींवसर में हनुमान बेनीवाल और आर.एल.पी. को पहली बार इतनी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसका कारण यह है कि यहां त्रिकोणीय संघर्ष में राजपूत उम्मीदवार नहीं है और यह बात भाजपा के पक्ष में जा रही है। अब यदि हनुमान बेनीवाल के वोटों में जरा सी भी सेंध लगती है, तो विधानसभा में आर.एल.पी. शून्य पर चली जाएगी और भाजपा के रेवंत राम इतिहास रच देंगे। हालांकि कांग्रेस ने भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भजनलाल ने दौसा में रोड शो, रामगढ़ में जनसभा की

उन्होंने कहा, ई.आर.सी.पी. में अलवर का नाम जोड़ दिया, यहां की धरती सोना उगलेगी

जयपुर, 10 नवंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने रविवार को दौसा तथा रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में प्रचार-प्रसार किया। दौसा में भाजपा प्रत्याशी जगमोहन मीणा के समर्थन में बरकत स्टैच्यू से गांधी तिराहे तक आयोजित शानदार रोड शो में भजनलाल शामिल हुए, वहीं रामगढ़ विधानसभा के बदौडा मेव क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी सुखवंत सिंह के समर्थन में मुख्यमंत्री ने विशाल जनसभा को संबोधित किया।

- भाजपा अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि जनता के उत्साह और अपार स्नेह को देखते हुए सातों सीट भाजपा जीतेगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि रामगढ़ विधानसभा का नाम भी अगर कोई दिन में 5-10 बार लेगा तो वो भी तर जाएगा। भाजपा ने ई.आर.सी.पी. में अलवर का नाम जोड़ दिया, जल्द ही अलवर की धरती भी सोना उगलेगी। भाजपा ने जनता से जो वादे किए उनको पूरा करने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। भाजपा सरकार ने किसानों को सम्मान निधि बढ़ाकर दी, किसानों के लिए ई.आर.सी.पी. और यमुना जल समझौता किया। सन् 2027 तक बिजली के क्षेत्र में राजस्थान को आत्मनिर्भर बनाया जाएगा और किसानों को दिन में बिजली देने का काम भी किया जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की सोच हमेशा दलित विरोधी रही है। कांग्रेस ने बाबा साहब को भारत रत्न से वंचित किया, जबकि भाजपा सरकार ने भारत रत्न देने के साथ ही बाबा साहब के पंच तीर्थ विकसित किए। पूर्ववर्ती कांग्रेस के कार्यकाल में रामगढ़ अलवर सहित प्रदेशभर में दलितों के साथ अत्याचार किए गए। दलित युवकों की हत्या कर दी गई और आरोपियों को बचाने का प्रयास कांग्रेस सरकार ने किया। वहीं अलवर में साइबर क्राइम, दलित महिला के साथ रेप और गो-तस्करी जैसी घटनाओं को कांग्रेस ने बढ़ावा दिया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस राज में अपराधी पड़ोसी राज्यों से भागकर राजस्थान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पूर्व महाराणा महेन्द्र सिंह का निधन

उदयपुर, 10 नवंबर। मेवाड़ के पूर्व राजघराने के सदस्य महाराणा महेन्द्र सिंह मेवाड़ का रविवार को निधन हो गया। वे 84 वर्ष के थे। उनके निधन से मेवाड़ में शोक की लहर छा गई। पिछले कुछ समय से वे अस्वस्थ चल रहे थे और बीते सप्ताह स्वास्थ्य में

- महेन्द्र सिंह चितौड़ से सांसद रह चुके हैं। उनके पुत्र विश्वराज नाथद्वारा से विधायक और पुत्रवधु महिमा कुमारी राजसमंद से सांसद हैं।

लगातार गिरावट के चलते उन्हें निजी हॉस्पीटल में भर्ती कराया गया था, जहां रविवार दोपहर 1 बजकर 45 मिनट पर उन्होंने अंतिम सांस ली।

महाराणा मेवाड़ की अंतिम यात्रा सोमवार प्रातः 11 बजे समोर बाग से प्रारंभ होगी जो जगदीश चौक, घंटाघर, बड़ाबाजार, भड़भुजा घाटी, देहलीगेट, शास्त्री सर्कल होते हुए आयड़ स्थित महासतिया पहुंचेगी। इससे पूर्व प्रातः 8

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में एक जवान शहीद, 3 घायल

किश्तवाड़ जिले के केशवान वन में सुबह 11 बजे मुठभेड़ शुरु हुई थी

श्रीनगर, 10 नवंबर। जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ में एक जवान शहीद हो गया और तीन घायल हो गए। किश्तवाड़ के केशवान में 3-4 आतंकवादियों के घिरे होने की संभावना है। माना जा रहा है कि यह आतंकियों का वही समूह है, जिसने 7 नवंबर को कुंतवाड़ा के एक गांव के 2 वीडीजी सदस्यों की हत्या की थी।

अधिकारियों के अनुसार, रविवार को किश्तवाड़ जिले के सुदूर वन क्षेत्र में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में सेना के चार जवान घायल हो गये थे। इनमें से नायब सब-इंस्पेक्टर राकेश कुमार की इलाज के दौरान मौत हो गई। सब-इंस्पेक्टर राकेश 9 नवंबर को किश्तवाड़ के भारत रिज के सामान्य क्षेत्र में शुरू किए गए संयुक्त सी आई ऑपरेशन का हिस्सा थे।

अधिकारियों ने बताया कि हाल ही में दो ग्राम रक्षा गार्ड (वीडीजी) की हत्या के बाद आतंकवादियों की तलाश तेज

- अधिकारियों के अनुसार गुरुवार शाम से कुंतवाड़ा व केशवान के जंगलों में आतंकरोधी अभियान चल रहा है।

कर दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि केशवान के जंगलों में पूर्वाह्न करीब 11 बजे उस समय मुठभेड़ शुरू हो गई जब सेना और पुलिस के संयुक्त तलाशी दलों ने छिपे हुए आतंकवादियों की केशवान वन में घेराबंदी की। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ स्थल उस स्थान से कुछ किलोमीटर दूर है, जहां पर वीडीजी नजीर अहमद और कुलदीप कुमार के गोलियों से छलनी शव मिले थे।

अधिकारियों ने कहा कि दो ग्राम रक्षा रक्षकों की हत्या के बाद कुंतवाड़ा और केशवान के जंगलों में गुरुवार शाम से आतंकवाद रोधी अभियान जारी है। सेना की जम्मू स्थित वाइट नाइट कोर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में कहा, "आतंकवादियों की उपस्थिति के बारे में विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर, किश्तवाड़ के भारत रिज क्षेत्र में सुरक्षा बलों द्वारा एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया था। यह वही समूह है जिसने दो निर्दोष ग्रामीणों (ग्राम रक्षा रक्षकों) का अपहरण कर उनकी हत्या कर दी थी। उन्हें चुनौती दी गई और गोलीबारी शुरू हो गई।"

अधिकारियों ने बताया कि शुरुआती गोलीबारी में सेना के चार जवान घायल हो गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां तीन की हालत 'गंभीर' बताई गई। इनमें से एक की मौत हो चुकी है। अधिकारी ने बताया, कि इलाके में तीन या चार आतंकवादी घिरे होने की संभावना है। अधिकारियों ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच भारी गोलीबारी जारी है तथा अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

कुकी उग्रवादियों के हमले में जवान घायल

इम्फाल, 10 नवंबर। मणिपुर के इम्फाल ईस्ट के सानासाबी लंपाक में रविवार को कुकी उग्रवादियों ने महिला किसानों पर हमला किया जिसमें महार रेजिमेंट का एक जवान घायल हो गया। उग्रवादियों ने महिला किसानों पर शक्तिशाली बमों से हमला किया। महिलाएं वहां से हट गईं और मणिपुर पुलिस और महार रेजिमेंट की संयुक्त टीम ने वहां पहुंचकर उग्रवादियों का सामना किया। इस दौरान के एक जवान को बाएं हाथ में गोली लगी।

मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच करीब 17 महीनों से चल रहे साम्प्रदायिक हिंसा के बाद, जिसमें 230 से अधिक लोगों की मौत

- मणिपुर के सानासाबी संपाक में कुकी उग्रवादियों ने महिला किसानों पर शक्तिशाली बमों से हमला किया था। महिलायें वहां से हट गयीं व पुलिस टीम ने उग्रवादियों का मुकाबला किया।

हुई है, एक और हमला हुआ है। शनिवार को बिष्णुपुर जिले के सैतोन इलाके में संदिग्ध उग्रवादियों ने किसानों पर गोली चलाई, जिसमें एक महिला की मौत हो गई। यह हिंसा दोनों समुदायों के बीच लंबे समय से चल रहे तनाव का परिणाम है, जिसका कारण जमीन और संसाधनों पर नियंत्रण की लड़ाई है।

मैतेई समुदाय के लोग कुकी समुदाय पर अवैध आव्रजन और आतंकवाद का समर्थन करने का आरोप लगाते हैं, जबकि कुकी समुदाय मैतेई समुदाय पर भूमि और संसाधनों पर कब्जा करने की कोशिश करने का आरोप लगाते हैं। इस हिंसा में कई लोग

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सिद्दीकी हत्याकांड का शूटर गिरफ्तार

शूटर शिवकुमार को शरण देने व भागने में मदद देने वाले चार व्यक्ति भी गिरफ्तार

बहराइच, 10 नवंबर। उत्तर प्रदेश एस.टी.एफ. और मुंबई पुलिस की अपराध शाखा की संयुक्त टीम ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में एक आरोपी और उसे पनाह देने वाले चार लोगों को बहराइच जिले से गिरफ्तार किया है। इससे पहले इस मामले में कुल 15 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

बाबा सिद्दीकी मर्डर केस मुंबई से संबंधित शूटर शिवकुमार को

- एस.टी.एफ. उत्तर प्रदेश तथा मुंबई क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने नेपाल भागने का प्रयास करते शूटर शिवकुमार को नानपारा बहराइच से गिरफ्तार किया।

एस.टी.एफ. उत्तर प्रदेश व मुंबई क्राइम ब्रांच की संयुक्त कार्यवाही में आज नानपारा बहराइच से गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि शिवकुमार नेपाल भागने की फिराक में था। एस.टी.एफ. की टीम का नेतृत्व प्रमेश कुमार शुक्ल और जावेद आलम सिद्दीकी द्वारा किया गया। शिवकुमार को शरण देने व नेपाल भागने में मदद करने के अपराध में अनुराग कश्यप, ज्ञान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रसिद्ध पोलो खिलाड़ी बिली सोढी का निधन

वे जयपुर की 61 वीं कैवेलरी के कमाण्डेन्ट थे तथा अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित थे

-प्रकाश भण्डारी-

जयपुर, 10 नवम्बर। दिग्गज पोलो खिलाड़ी और जयपुर की 61वीं कैवेलरी तथा राष्ट्रपति अंगरक्षक प्रेसिडेन्ट बॉडीगार्ड के कमाण्डेन्ट कर्नल एच.एस. बिली सोढी का शनिवार की रात दिल्ली में निधन हो गया। अर्जुन पुरस्कार विजेता कर्नल बिली सोढी का रविवार दोपहर दिल्ली छावनी स्थित सेना के मोक्षधाम में पूरे सैनिक सम्मान के साथ दाह संस्कार किया गया। 86 वर्षीय बिली सोढी अपने पीछे पत्नि रोशन और दो पुत्रियाँ रूखसाना और अनीषा तथा भाई, पोलो खिलाड़ी और अर्जुन पुरस्कार विजेता कर्नल रविन्दर सिंह "पिकल्स" सोढी छोड़ गए। उल्लेखनीय है कि, बिली और उनके भाई पिकल्स दोनों ही 61वीं कैनेलरी के कमाण्डेन्ट पद पर रहे। उनकी पत्नि रोशन, भारत के पूर्व सेनाध्यक्ष स्वर्गीय जनरल पी.पी. कुमारमंगलम की पुत्री हैं।

कर्नल हरविन्दर सिंह पोलो जगत में बिली के नाम से मशहूर थे। उनके पिता अजितसिंह भी ब्रिगेडियर थे और सैनिक वातावरण में बिली का जन्म रावलपिण्डी में हुआ था। विभाजन के पूर्व उनके पिता भारतीय सेना में थे और विभाजन के बाद परिवार भारत आ गया। रावलपिण्डी में ब्रिगेडियर अजित सिंह सोढी के घर में घोड़े थे और बिली को घुड़सवारी का शौक बचपन से लग गया। छोटे भाई पिकल्स के साथ वह रावलपिण्डी में अपने खेत में घुड़सवारी करते थे।

विभाजन के बाद परिवार भारत आ गया और बिली सोढी के पिता ने अपने पुत्रों को हिमाचल के कसौली

- उनका अन्तिम संस्कार रविवार की दोपहर दिल्ली छावनी के मोक्षधाम में पूरे सैनिक सम्मान से किया गया।

स्थित लारेन्स स्कूल सनावर में भर्ती करा दिया जहाँ घुड़सवारी की सुविधा थी। उल्लेखनीय है कि इसी स्कूल में स्वर्गीय कर्नल वी.पी. सिंह, कर्नल राज कलान और टेन्ट पैगिंग में दिल्ली के एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक विजेता कर्नल रूपी बरार भी पढ़े थे और सभी आगे चलकर योग्य पोलो खिलाड़ी बने। इसके बाद बिली पुणे स्थित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एन.डी.ए.) के लिए चुने गये जहाँ घुड़सवारी और पोलो के

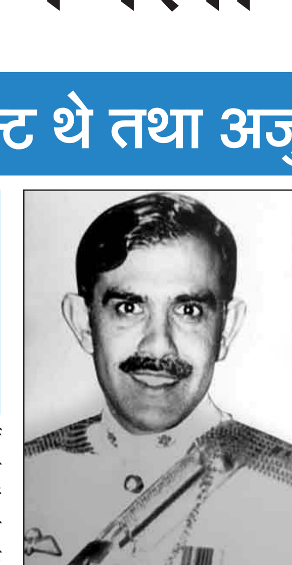

कर्नल एच.एस. बिली सोढी

उनके प्रेम को बढावा मिला। एन.डी.ए. में प्रशिक्षण के बाद सेना में जब उन्हें कमिशन मिला, तो अपने घुड़सवारी और पोलो प्रेम के कारण बिली ने 61वीं कैवैलरी चुनी ताकि वह पोलो खेलते रहें।

बिली, जब 60 के दशक के आरंभ में जयपुर की 61वीं कैवेलरी से जुड़े तो पोलो के कारण जयपुर के महाराजा सवाई मानसिंह और रावराजा हनूत सिंह के सम्पर्क में वह आए और पोलो की बारीकियां सीखीं। हनूत सिंह को बिली अपना गुरू मानते थे और उन्हीं के कारण उन्हें इंग्लैण्ड में पोलो खेलने का अवसर मिला। जयपुर में जब 1961 में ब्रिटेन की महारानी आईं तो बिली को उनके सम्मान में हुए मैच में खेलने का अवसर मिला। इसके बाद प्रिन्स फिलिप और अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन कैनेडी की पत्नी जैकलीन कैनेडी के सम्मान में रामबाग पोलो मैदान में भी वह खेले।

1970 में महाराजा सवाई मानसिंह की लन्दन में मृत्यु के बाद जयपुर में पोलो अल्प समय के लिए बन्द हो गया। लेकिन 61वीं कैवेलरी और उसके खिलाड़ियों की मदद से 1972 में पुनः जयपुर में पोलो पुनर्जीवित हुआ और इसको पुनर्जीवित करने का श्रेय बिली को जाता है। बिली ने सेना में पोलो के विकास में भी पूरी मदद की और भारत में यदि उस समय पोलो जिन्दा रहा तो वह सेना के कारण ही था।

जयपुर का पोलो सत्र दिल्ली के बाद फरवरी में हुआ करता था और तब बिली पिकल्स, वी.पी.सिंह, कुलदीप गर्चा, रूपीबरार, प्रदीप मेहरा, राज कलान, सूरत सिंह, महाराजा भवानी सिंह, कुंवर विजय सिंह, महाराज जयसिंह, रामसिंह, स्वर्गीय इन्दरजीत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रुस के उपप्रधानमंत्री सोमवार को भारत में

नयी दिल्ली, 10 नवंबर। रूस के प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव सोमवार को भारत-रूस अंतरसरकारी आयोग की बैठक में भाग लेने के लिए दो दिन की यात्रा पर यहां आएंगे।

रूस के राजदूतावास ने आज यहां यह जानकारी देते हुए कहा कि मंतुरोव भारत की दो दिन की कामकाजी यात्रा पर सोमवार को मुंबई में रूसी-भारतीय बिजनेस फोरम के पूर्ण सत्र में भाग लेंगे।

- वे अन्तरसरकारी आयोग की बैठक में तथा रुसी-भारतीय बिजनेस फोरम के सत्र में भाग लेंगे।

रूसी राजदूतावास की विज्ञिप्त के अनुसार इस आयोजन का उद्देश्य दोनों देशों के उद्यिमयों के बीच सहयोग संबंधों का विस्तार करना है। फोरम में औद्योगिक सहयोग, परिवहन और रसद, वित्त, डिजिटल प्रौद्योगिकियों और अंतरक्षेत्रीय संबंधों सहित बातचीत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)